अम्बे तू है जगदम्बे काली lyrics in Hindi

(अम्बे तू है जगदम्बे काली,

जय दुर्गे खप्पर वाली,

तेरे ही गुण गावें भारती,

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।) 2

तेरे भक्त जनो पर माता भीड़ पड़ी है भारी

भीड़ पड़ी है भारी।

दानव दल पर टूट पड़ो माँ करके सिंह सवारी

करके सिंह सवारी॥

सौ-सौ सिहों से भी बलशाली,

है दस भुजाओं वाली,

दुखियों के दुखड़े निवारती

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

माँ-बेटे का है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता

बड़ा ही निर्मल नाता।

पूत-कपूत सुने है पर ना माता सुनी कुमाता

माता सुनी कुमाता॥

सब पे करूणा दर्शाने वाली, अमृत बरसाने वाली,

दुखियों के दुखड़े निवारती।

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

नहीं मांगते धन और दौलत, न चांदी न सोना

न चांदी न सोना।

हम तो मांगें तेरे मन में एक छोटा सा कोना

एक छोटा सा कोना॥

सबकी बिगड़ी बनाने वाली, लाज बचाने वाली,

सतियों के सत को संवारती।

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

(अम्बे तू है जगदम्बे काली,

जय दुर्गे खप्पर वाली,

तेरे ही गुण गावें भारती,

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।)

https://ebhajanlyrics.com/ambe-tu-hai-jagdambe-kaali-lyrics-in-hindi/